103½

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

04/02/2021

प्रश्न संख्या	
1 (A)	अर्थशास्त्र → चाणक्य द्वारा रचित राजनीति से संबंधित 15 प्रकरण में विभक्त
1 (B)	तुलसीदास सगुणमार्गी कवि रामचरितमानस के रचनाकार समन्वय का संदेश व पदाधर
1 (C)	केशवनंद भारती मामला 1973 में केशवनंद बनाम सुप्रीम कोर्ट निर्णय संविधान के मूल ढांचे में संशोधन नहीं 13 सदस्यीय समिति द्वारा गठित
1 (D)	सर्वोदय महात्मा गांधी का सिद्धांत सर्वोदय → सभी वर्गों का उदय वर्गहीन, शोषण मुक्त समाज की स्थापना

(B) 2

2½

2½

avi Jain Book Stall, Indo

Scanned with CamScanner

2½ पंचायत व्यवस्था गांधी के [illegible] व ग्रामस्वराज
आधारित है।
चार स्तंभ → गांव, मंडल, प्रांत, राष्ट्र

2½ अबुलकलाम के शिक्षा मंत्री के रूप में
(1) निःशुल्क शिक्षा व उच्च शिक्षा के लिए कार्य → UGC?
(2) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना में सहयोग
(3) साहित्य अकादमी व संगीत नाटक अकादमी की स्थापना। कब?

½ सतनाम का अर्थ → अविनाशी ईश्वर

1½ समानुभूति → समान अनुभूति
स्वयं को दूसरे लोगो की स्थिति से जोड़कर उसकी समस्या को महसूस करना।

रूढ़िवादिता
अपनी समझ व विचारधारा के अनुसार दूसरे व्यक्ति के प्रति जो मनोभाव होते हैं
ये सकारात्मक व नकारात्मक दोनो हो सकते हैं
अधिक स्थायी होते हैं।
अतार्किक आधार

½

Ravi Jain Book Stall, Indo

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा

[illegible]

मौलिक परिभाषाएँ

[illegible] और आदर्श [illegible]
[illegible] व्यवहार की [illegible] में [illegible]
मनोवैज्ञानिक निरन्तरता की कमी

नैतिक चिंता
नैतिकता के कारण उत्पन्न
नियमों पर आधारित बातों का गलत चुनने पर उत्पन्न
आत्मा की आवाज पर उत्पन्न

मौलिक उत्तर

निष्पक्षता
किसी मुद्दे या विषय के प्रति बिना किसी पूर्वाग्रह के बिना उसके गुण-दोष के आधार पर निर्णय करना
लाभ व योजना के कार्यान्वयन में पारदर्शिता

1/2

3 सुशासन
लोक कल्याणकारी शासन जैसे की
नागरिकों को लाभ पहुंचना प्रयोग।

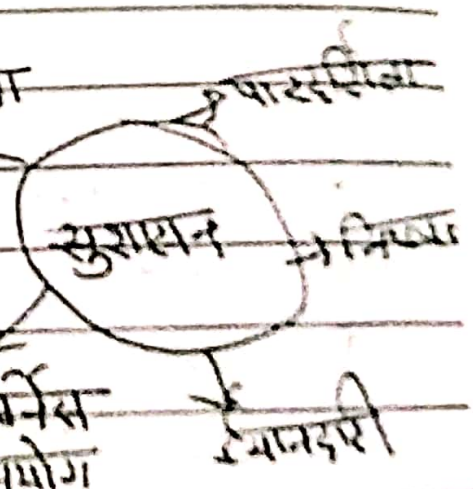

1/2

Ravi Jain Book Stall, Indore
Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

भ्रष्टाचार - आचरण

1 सार्वजनिक पद या सत्ता का दुरुपयोग
निजी आर्थिक या अन्य लाभ प्राप्त करने में

सत्यनिष्ठा
जिन सिद्धांतो को आप सही मानते हैं व्यवहार
में वैसे ही रहना, चाहे परिणाम जो भी हैं।
सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने में उपयोगी

2

Scanned with CamScanner

कबीर 15 वीं शती के क्रांतिकारी समाज सुधारक, संत व कवि थे। भक्ति आंदोलन के प्रमुख व्यक्तियों में से एक

(3)

कबीर का दर्शन

(1) आडंबर व मूर्ति पूजा का विरोध

(2) सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ

(3) जाति प्रथा, ऊँच-नीच का विरोध

(4) एक ईश्वर की उपासना

(5) हिंदू व मुस्लिम धर्म में व्याप्त कुरीतियों पर चोट

(6) ब्रह्म, आत्मा व जगत के संबंध में प्रमुख विचार

(7) समन्वयवादी व हिंदू मुस्लिम एकता के पक्षधर

उदाहरण प्रस्तुत करें कबीर के दोहे

Ravi Jain Book Stall, Indo

Scanned with CamScanner

सामाजिक चिंतन

↳ समाज में व्याप्त धार्मिक कट्टरता अंधविश्वास, जातिवाद व कुप्रथा का विरोध

↳ वर्ग संघर्ष के खिलाफ

↳ समन्वयवादी दृष्टिकोण के पक्षधर

रचनाएँ

बीजक → तीन भाग
→ साखी
→ शब्द
→ रमैनी

Scanned with CamScanner

2 B तुलसीदास भक्ति कवि के रूप में प्रसिद्ध हुए। वे राम के मार्ग पर चलने हेतु इंसानो को प्रेरित करने हेतु रामचरित मानस की स्थापना की

2

रचनाएँ
विवाद
पृष्ठ
उत्तर

तुलसीदास का दर्शन

→ मोक्ष प्राप्ति हेतु भक्ति मार्ग सर्वश्रेष्ठ

→ ईश्वर का साक्षात्कार भक्ति रूपी मार्ग द्वारा ही संभव है।

→ सृष्टि के हर कण में राम व्याप्त है।

→ राम को ईश्वर का अवतार बताया

→ ईश्वर के सगुण भक्तिधारा को महत्वपूर्ण बताया।

avi Jain Book Stall, Indo

Scanned with CamScanner

महर्षि अरविंदो समग्र योग के प्रणेता थे। उनका दर्शन पूर्ण अद्वैतवाद से प्रभावित था

प्रश्नानुसार उत्तर

1

अरविंदो का दर्शन

(1) योग को बढ़ावा देना

(2) पूर्ण अद्वैतवाद

(3) नव्य वेदांती

राष्ट्रवाद

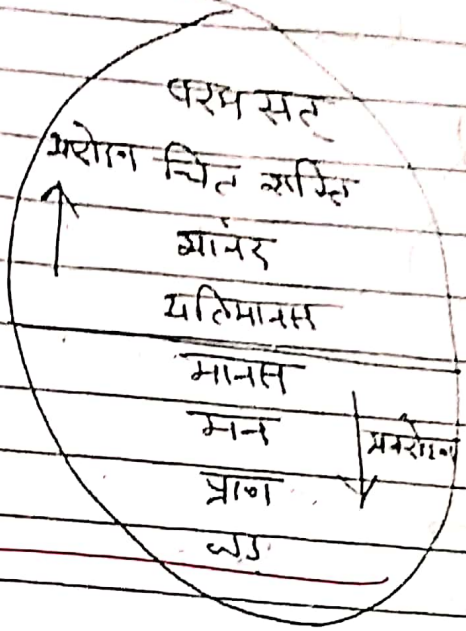

→ आध्यात्मिक राष्ट्रवाद के प्रणेता

→ जिस प्रकार मानव की आत्मा होती है उसी प्रकार राष्ट्र की भी आत्मा होती है

→ समाजवाद पर विश्वास करते थे।

Ravi Jain Book Stall, Indore

Scanned with CamScanner

प्र. सर्वपल्ली राधाकृष्णन [illegible], [illegible] का दार्शनिक विचार के प्रमुख बिन्दु [illegible] है।

13

तथ्यों का समावेश करें

राधाकृष्णन का दर्शन

- हिंदू धर्म में गहन रुचि
- अद्वैतवाद व सत्य वेदान्ती के दार्शनिक
- हिंदू धर्म में ऋषियों का गुणगान
- शाश्वत स्वरूप की पूर्ण सत्ता में विश्वास
- ब्रह्म व जीव की सत्ता को स्वीकार किया
- जैसे ही जीव को परमात्मा का साक्षात्कार होता है आत्मा, परमात्मा का भेद मिट जाता है।

डॉ. राधाकृष्णन आधुनिक भारत के दार्शनिक थे जो हिंदू धर्म में अपनी आस्था रखते थे।

vi Jain Book Stall, Indor

Scanned with CamScanner

डा. भीमराव अम्बेडकर एक समाज सुधारक, राजनीतिज्ञ थे। निर्धनों के उत्थान के लिए उन्होंने जीवन भर आंदोलन किया व समाज को अपने अधिकारों के लिए लड़ने हेतु जागृत किया।

तथ्यों को लिए

सामाजिक दर्शन

(1) जाति व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन किया

(3)

(2) वर्ण व्यवस्था सामाजिक विषमता को बढ़ाती हैं

(3) जाति व्यवस्था मनुष्य को स्वतंत्र हो कर विकास करने से रोकती हैं

(4) कुलीनवादी मानसिकता को बढ़ावा देकर वंचित के अधिकारों को नकारती है।

(5) सभी को एकसमान कानून व अधिकारों की गारंटी मिलनी चाहिए

(6) सभी वर्गों का विकास से देश का विकास सुनिश्चित करता हैं।

avi Jain Book Stall, Indore

Scanned with CamScanner

नोट

(1) भारत के पहले विधि मंत्री के रूप में कार्य करके छुआछूत पर कानून बनाकर रोक लगाई

(2) वंचित वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की। जिससे जो विकास की दृष्टि से लोग पिछड़ गए हैं वे भी समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकें।

Scanned with CamScanner

प्रतीत्य समुत्पाद बौद्ध धर्म का सिद्धांत है इस में ही गौतम बुद्ध ने मूल कारण माना है।

प्रतीत्यसमुत्पाद

विस्तार पूर्वक उत्तर दें

बौद्ध दर्शन का कारण - कार्य सिद्धांत है संसार की किसी भी घटना का कोई न कोई कारण अवश्य होता है। कोई भी घटना बिना कारण के नहीं होती

बौद्ध दर्शन में दुःख के कारण को 12 कड़ियों को माना गया है

(1) जरा मरण - जन्म व वृद्धावस्था दुःख

(2) जाति → जन्म लेना दुःख

(3) भव → जन्म ग्रहण करने की इच्छा

(4) उपादान → जगत के प्रति राग व मोह

(5) तृष्णा → तृष्णा सांसरिक दुखों का मूल कारण है।

3

avi Jain Book Stall, Indo

(६) वेदना → इंद्रियों के कारण दुःख

(७) स्पर्श → इंद्रियों का विषयों से संयोग

(८) षडायतन → पांच ज्ञान का संकलन

(९) नाम रूप → मन व शरीर के समूह को

(१०) संस्कार →

(११) विज्ञान → चेतना का विकसित होना

(१२) अविद्या → ज्ञान का अभाव

इस प्रकार ये द्वादश निदान मनुष्य के दुखो का कारण बताया गया हैं।

Scanned with CamScanner

अनेकान्तवाद जैन धर्म का दर्शन है। यह सत्ता की अनेकता का सिद्धांत है।

आशय

इस संसार में अनेक वस्तुएं है जिनमें प्रत्येक वस्तु के अनंत धर्म हैं।
जैन दर्शन जड़ व चेतन को स्वीकार करता है।

3½

↳ यह जैन धर्म का तत्वमीमांसा वस्तुवादी व सापेक्षवादी दर्शन है।

↳ इस सिद्धांत में परिवर्तन को ही एकमात्र वास्तविक सत्ता माना जाता है।

↳ अनेकान्तवाद एक अखंड दृष्टि है जिसमे उत्पत्ति के साथ विनाश, जन्म के साथ मृत्यु, शांत के साथ अशांत को स्वीकार करते हैं।

↳ द्रव्य के 2 धर्म हैं

स्वरूप धर्म :

आगुन्तक धर्म :

vi Jain Book Stall, Indore

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या 2 | 1

मौलिक परिभाषा दें

मूल्य वे आदर्श तथा गुण हैं जो मनुष्य के किसी उद्देश्य अथवा लक्ष्य की पूर्ति करते हैं। वहीं मूल्य है।

मूल्य के प्रकार

(1) साध्य मूल्य → जो स्वयं में शुभ होते हैं। इनके शुभत्व का परिणामों का कोई प्रभाव नहीं पड़ता

(2) साधन मूल्य → जो अपने आप में शुभ न होकर किसी अन्य वस्तु के रूप में शुभ होते हैं।
उदा० ईमानदारी

3/2

मूल्यों की विशेषताएं

(1) मूल्य के दो पहलू होते हैं
विषय वस्तु
तीव्रता

(2) मूल्य प्रयासों को निर्देशित करते हैं

(3) मूल्य अमूर्त होते हैं

vi Jain Book Stall, Indo

Scanned with CamScanner

(4) मूल्य सीखे जाते है

मूल्य के प्रकार

(1) सकरात्मक मूल्य → सत्य, अहिंसा

(2) नकरात्मक मूल्य → हिंसा, चोरी, झूठ

(3) नैतिक मूल्य

(4) व्यावसायिक मूल्य

(5) चिकित्सकीय मूल्य

(6) व्यापारिक मूल्य

भ्रष्टाचार से तात्पर्य है कि किसी सार्वजनिक पद, शक्ति का दुरुपयोग करके व्यक्तिगत या निजी लाभ प्राप्त करने से है

भ्रष्टाचार

- सामाजिक कारण
- राजनीतिक कारण
- आर्थिक कारण
- प्रशासनिक कारण

(1) सामाजिक कारण

नैतिक मूल्यों की कमी
समाज में व्याप्त कुरीतियां यथा दहेज प्रथा
परिवार से मौन स्वीकृति

(2) आर्थिक कारण

आधुनिक उच्च स्तरीय जीवनशैली
वेतन में कमी
खर्च अधिक करना
भौतिकतावादी समाज
सुख-सुविधाएं पाने की लालसा

Jain Book Stall, Indo

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

राजनीतिक कारण

भ्रष्ट व्यवस्था
चुनाव में भारी खर्च
राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी

प्रशासनिक कारण

नौकरशाही का अत्याधिक दबाव
नैतिक दृष्टि से पतन
कानूनों का क्रियान्वन सही ढंग से न होना

प्रभाव

प्रभाव	कम करने के उपाय
(1) गुणवत्ता प्रभावित	(1) लोकपाल
(2) विकास प्रक्रिया बाधित	(2) व्हिसलब्लोअर
(3) विषमता में वृद्धि	(3) RTI कानून
(4) न्याय में कमी	(4) भ्रष्टाचार रोधक कानून 1988
(5) सरकार के प्रति असंतोष का बढ़ना	(5) केंद्रीय सतर्कता आयोग
	(6) केंद्रीय जाँच ब्यूरो।

Jain Book Stall, Indore

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

भ्रष्टाचार पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के मध्य एक बहुपक्षीय प्रसंविदा है

यह विश्व का प्रथम कानूनी रूप से बाध्य संविदा है।

उद्देश्य

* इस प्रसंविदा में ७१ अनुच्छेद है जो ८ अध्यायों में विभक्त है।

3½

* भ्रष्टाचार को रोकना, कुछ मामलों को अपराधिक घोषित करना

* अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को एक साथ जोड़ना व मजबूती प्रदान करना

सदस्य देशों का सम्मेलन

इसमें सदस्य देशों की स्थापना का प्रावधान है। इसका लक्ष्य नियमों को प्रभावी रूप से लागू करना है।

उपाय

(1) निरोधक उपाय

(2) आपराधिक एवं विधि प्रवर्तन उपाय

(3) अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग उपाय

(4) संपत्ति पुनर्भरण उपाय

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

संवेगिक बुद्धि वह बुद्धि है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने संवेगों को पहचानकर उनका नियंत्रण करता है व अपनी कार्य कुशलता व सफलता के लिए इसका प्रभावशाली ढंग से उपयोग करता है।

<u>महत्व</u>

(1) संवेगिक बुद्धि से वह जीवन के किसी क्षेत्र में वांछित सफलता प्राप्त कर सकता है

(2) जीवन में कोई कितना सफल होगा यह संवेगिक बुद्धि पर निर्भर करता है।

(3) इससे हम भावनात्मक क्षमताओं में वृद्धि कर सकते हैं।

(4) इससे संवेगों के प्रबंधन करने की क्षमता बढ़ जाती है।

(5) संवेगों को अपनी विचार प्रक्रिया से जोड़ पाने की क्षमता प्राप्त हो जाती है।

3

व्हिसलब्लोअर वह व्यक्ति होता है जो प्रशासन में हो रहे भ्रष्टाचार को उजागर करता है।

यह ऐसे व्यक्ति होते हैं जो भ्रष्टाचार संबंधित प्रकरण को समाज के समक्ष प्रदर्शित करते हैं।

भूमिका

(1) भ्रष्टाचार को कम करने में सहायक
(2) समाज में नए जनमत का बनाना।
(3) नेताओं द्वारा भ्रष्टाचार को न करना उजागर का भय बना रहना।
(4) सरकार पर भ्रष्टाचार विरोधी नीतियों बनाने का दबाव बनना।
(5) सुशासन की तरफ अग्रसर होना।
(6) नीतियों में पारदर्शिता का बढ़ना।

vi Jain Book Stall, Indor

मनोवृत्ति किसी वस्तु, विचार या व्यक्ति के प्रति सकारात्मक या नकारात्मक मन की स्थिति मनोवृत्ति कहलाती है।

विस्तार पूर्वक उत्तर

मनोवृत्ति के विकास के कारक

(1) आनुवंशिक कारक

(2) व्यक्ति में निहित कारक :—
- शारीरिक वृद्धि
- बौद्धिक क्षमता

?

(3) अभिप्रेरणा का होना :—

(4) पूर्वाग्रह का होना :—

(5) सामाजिक कारण :—

(6) परिवार द्वारा दिए गए मूल्यों के कारण

(7) शिक्षा द्वारा :—

(8) व्यक्तिगत अनुभव के द्वारा :—

avi Jain Book Stall, Indor
Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

A प्रकरण → हमारे समाज में भ्रष्टाचार

(1) भ्रष्टाचार को बढ़ाने के निम्न कारण है

विस्तार दें (1) अच्छी जीवनशैली की चाह

(2) भौतिक सुख सुविधाओं हेतु

(3) समाज में व्याप्त कुरीतियो जैसे दहेज प्रथा हेतु

6

(4) कम समय में अधिक से अधिक धन प्राप्त करने की चाह

(5) परिवार वालों की मौन स्वीकृति का होना

(6) कम वेतन अधिक कार्य का होना

(7) सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त करने हेतु

(8) आर्थिक रूप से प्रतिस्पर्धा करना।

(1) अच्छी जीवनशैली की चाह ।

(2) भौतिक सुख सुविधाओं हेतु ।

(3) समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे दहेज प्रथा हेतु ।

(4) कम समय में अधिक से अधिक धन प्राप्त करने की चाह

(5) परिवार वालों की मौन स्वीकृति का होना

(6) कम वेतन अधिक कार्य का होना ।

(7) सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त करने हेतु ।

(8) आर्थिक रूप से प्रतिस्पर्धा करना ।

प्रश्न
क्रमांक

(ङ) भ्रष्टाचार को रोकने हेतु उपाय

नैतिक उपाय

(1) नैतिक मूल्यों की शिक्षा।

(2) ईमानदारी से कार्य करना।

6 (3) कानून के हिसाब से कार्य।

(4) नीति संहिता का पालन करे

संवैधानिक उपाय

(1) केंद्रीय सतर्कता आयोग कब?

(2) केंद्रीय जांच अन्वेषण ब्यूरो कब?

(3) लोकपाल कब

(4) सूचना का अधिकार 2005

(5) भ्रष्टाचार रोधी कानून 1988

(6) व्हिसल ब्लोवर द्वारा अधि०?

(7) ई-गवर्नेंस का प्रयोग

(8) सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके

Scanned with CamScanner

(4) काले धन के संचय के कारण

(1) सरकारी कानूनों में कमी के कारण
(2) बेहतर निगरानी तंत्र का न होना।
(3) अधिकतम संचयन की सीमा न होना।
(4) हवाला व विदेशी बैंकों में काले धन को जमा कराना।

प्रश्न संख्या

(B) द्वितीय समस्या

प्रथम विकल्प

आंदोलनकारियों के प्रति कार्यवाही की जाती है तो उनसे कहा जा सकता है की सरकार कठोर कार्यवाही करेगी यदि इन्होंने परिवार के किसी भी सदस्य को क्षति पहुंचायी तो

इसी बहाने हम वार्ता लेकर इन्हें समझा सकते है कि वे आत्मसमर्पण में ही सबकी भलाई है।

4

या सैन्य कार्यवाही करना तात्कालिक रूप से तो कुछ हानि पहुंचा सकता है लेकिन यदि सरकार इनकी मांग मान ले तो भविष्य को वह और भी ऐसी आतंकी घटनाओं को घटित कर सकते हैं।

(3) मीडिया को इस मुद्दे का भावनात्मक रूप देने से बचे एवं जनता में यह

Scanned with CamScanner

बात सुनिश्चित करने की बंधकों से हार मनाने पर ही समस्या का हल हो सकता है।

(4) यदि बातचीत निष्फल रहती है तब सरकार को उन्हें घातक चेतावनी देनी होगी ~~जिससे~~ वह भयभीत होकर बंधकों को मुक्त कर दें।

(5) किसी अन्य विकल्प के रूप में आतंकवादियों के परिवार का सहयोग लेना चाहिए जिससे उनसे बातचीत करके वे हथियार डाल दें व बंधकों को मुक्त कर सकें।

कैसे पता चलेगा कि उनके परिवार कौन और कहाँ हैं और उनके द्वारा क्या संभव है?